



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ७२] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च २१, १९७९/फाल्गुन ३०, १९००
No. 72] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 21, 1979/PHALGUNA 30, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए मर्क रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वारिज्ञ, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वारिज्ञ विभाग)

नियर्त व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, २१ मार्च, १९७९

सार्वजनिक सूचना सं. २९-ईटीसी (पीएन) /७९

विषय :—(१) १-१-१९७९ से ३१-१२-१९७९ तक खुले सामान्य लाइसेन्स-३ के अन्तर्गत सूत, उन और मानव-नियमित रेशे से नियमित वस्त्रों का संयुक्त राज्य अमरीका और पूर्वी योरूपीय भूमध्य राज्यों को नियर्त करने के लिए योजना।

(२) १-१-१९७९ से ३१-१२-१९७९ तक खुले सामान्य लाइसेन्स-३ के अन्तर्गत सूत, उन और मानव-नियमित रेशे से नियमित वस्त्र, उत्पादों का नार्व को और सूत और मानव-नियमित रेशे से नियमित वस्त्र उत्पादों का फिलोगेंड को नियर्त करने की योजना।

(३) खुले सामान्य लाइसेन्स-३ के अन्तर्गत सूत और उन और मानव-नियमित रेशे के कठोर वस्त्र उत्पादों का स्ट्रीडेन को नियर्त करने के लिए योजना।

[मिसिस सं. २/२६/७८-ई०१].—उपर्युक्त विषय पर वारिज्ञ विभाग की सार्वजनिक मूचना सं. २-ईटीसी (पीएन) /७९ दिनांक १-१-७९, सं. ३-ईटीसी (पीएन) /७९ दिनांक

3-1-1979 और सं. 22-ईटीसी (पीम) /79 विनांक 22-2-79 के साथ पढ़े जाने वाले निर्दला
(नियंत्रण) संशोधन आदेश सं. ई(सी)ओ, 1977/एस(105) विनांक 21-3-1979 की
और ध्यान दिलाया जाता है।

2. स्थिरित की पुनरीक्षा करने के पश्चात् यह निश्चय किया गया है कि वे ऊनी वस्त्र,
निर्मित वस्त्रों और सलाई से बनाए हुए ऊनी पहनाये जिन का आवंटन उमर उल्लिखित
सार्वजनिक सूचनाओं में निर्दिष्ट ऊन और ऊनी वस्त्र नियर्ति संबंधन परिषद द्वारा किया
गया है, उनके लिए पोत परिवहन बिलों पर आवश्यक पृष्ठांकन सूती वस्त्र नियर्ति संबंधन
परिषद द्वारा किया जाएगा। इसप्रिय, उमर उल्लिखित सार्वजनिक सूचनाओं में नियर्ति
लिखित को काँडिका 10 में पहले वाक्य के बाद जोड़ा जाएगा :—

“किन्तु, ऊनी वस्त्र, निर्मित वस्त्रों और सलाई से बनाए हुए ऊनी पहनावों के
लिए पोत परिवहन बिलों पर आवश्यक पृष्ठांकन सूती वस्त्र नियर्ति संबंधन
परिषद द्वारा किया जाएगा।”

3. पूर्वांकित की ध्यान में रखते हुए क्रम सं. 70(5), 70(6), 70(9) और 70(10) के
सामने प्रदर्शित इन मध्यों की विश्वासन नीति इस सीमा तक संशोधित की गई²
समझी जाएगी।

का. वं शेषाद्रि,
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(Department of Commerce)

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 21st March, 1979

PUBLIC NOTICE NO. 29-ETC(PN)/79

Sub :—(i) Scheme for export under OGL. 3 of Textiles made from Cotton, wool and manmade fibre to USA and EEC Member States from 1-1-1979 to 31-12-1979.
(ii) Scheme for exports under OGL. 3 of textile products made from cotton, wool and man-made fibres to Norway and from Cotton and man-made fibres to Finland from 1-1-79 to 31-12-79.
(iii) Scheme for export under OGL. 3 of certain textiles products of cotton, wool or manmade fibre to Sweden.

[F. No. 2/26/78-ET].—Attention is invited to Department of Commerce Exports (Control) Amendment Order No. E(C)O, 1977/AM(105) dated 21-3-79, read with Public Notices No. 2-ETC(PN)/79 dated 1-1-79, No. 3-ETC(PN)/79 dated 3-1-79 and No. 22-ETC(PN)/79 dated 22-2-79 respectively on the above subject.

2. On a review of the situation it has been decided that in respect of woollen fabrics, made up and woollen knitwear for which quota allotment is made by wool and woollen Export Promotion Council as indicated in above referred Public Notices, necessary endorsement on shipping bills will be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council. Therefore, following will be added after the first sentence in paragraph 10 of the above referred Public Notices :—

“Necessary endorsement on shipping bills will, however, be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council for woollen fabrics, made ups and woollen knitwear”

3. In view of the foregoing the existing export policy of these items appearing against S. No. 70(y), 70(vi), 70(ix) and 70(x) shall be deemed amended to this extent.

K. V. SESHADRI,
Chief Controller of Imports and Exports